

# संस्कृतम् (कोड नं. 122)

कक्षा – दशमी (2024-25)

वार्षिकमूल्याङ्कनाय निर्मिते प्रश्नपत्रे चत्वारः खण्डाः भविष्यन्ति -

|                                 |           |             |
|---------------------------------|-----------|-------------|
| ‘क’ खण्डः अपठित-अवबोधनम्        | 10 अङ्काः | 25 कालांशाः |
| ‘ख’ खण्डः रचनात्मक-कार्यम्      | 15 अङ्काः | 40 कालांशाः |
| ‘ग’ खण्डः अनुप्रयुक्त-व्याकरणम् | 25 अङ्काः | 55 कालांशाः |
| ‘घ’ खण्डः पठित-अवबोधनम्         | 30 अङ्काः | 80 कालांशाः |

खण्डानुसारं विषयाः मूल्यभारः च

| क्र. सं.  | विषयाः   | प्रश्नप्रकाराः   | मूल्यभारः                        |
|---|--|--|----------------------------------|
| <b>‘क’ खण्डः</b><br><b>अपठितावबोधनम् 10 अङ्काः</b>        |  |  |                                  |
| 1   | एकः गद्यांशः<br>80-100 शब्दपरिमितः   | अति-लघूत्तरात्मकौ<br>पूर्णवाक्यात्मकौ<br>शीर्षकम् (लघूत्तरात्मकः)<br>भाषिककार्यम् (बहुविकल्पात्मकाः) | 1×2=2<br>2×2=4<br>1×1=1<br>1×3=3 |
|   |  | सम्पूर्णभारः   | 10 अङ्काः                        |
| <b>‘ख’ खण्डः</b><br><b>रचनात्मककार्यम् 15 अङ्काः</b>      |  |  |                                  |
| 2.  | औपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्रम्<br>(मञ्जूषायाः सहायतया पूर्णं पत्रं लेखनीयम्) | निबन्धात्मकः   | ½×10=5                           |
| 3.  | चित्रवर्णनम् अथवा अनुच्छेदलेखनम्   | निबन्धात्मकः   | 1×5=5                            |
| 4.  | हिन्दी/आङ्ग्लभाषातः संस्कृतेन अनुवादः  | पूर्णवाक्यात्मकः   | 1×5=5                            |
|   |  | सम्पूर्णभारः   | 15 अङ्काः                        |
| <b>‘ग’ खण्डः</b><br><b>अनुप्रयुक्तव्याकरणम् 25 अङ्काः</b> |  |  |                                  |
| 5.  | सन्धिः   | लघूत्तरात्मकाः   | 1×4=4                            |
| 6.  | समासः  | बहुविकल्पात्मकाः   | 1×4=4                            |
| 7.  | प्रत्ययाः  | बहुविकल्पात्मकाः   | 1×4=4                            |
| 8.  | वाच्यप्रकरणम्  | बहुविकल्पात्मकाः   | 1×3=3                            |
| 9.  | समयः   | लघूत्तरात्मकाः   | 1×4=4                            |
| 10.   | अव्ययपदानि   | बहुविकल्पात्मकाः   | 1×3=3                            |
| 11.   | संशोधनकार्यम्  | बहुविकल्पात्मकाः   | 1×3=3                            |
|   |  | सम्पूर्णभारः   | 25 अङ्काः                        |

| <b>‘घ’ खण्डः</b>    |                             |   |  |
|---------------------|-----------------------------|---|--|
| <b>पठितावबोधनम्</b> |                             | <b>30 अङ्काः</b>  |  |
| 12.                 | गद्यांशः                    | अति-लघूत्तरात्मकौ<br>पूर्णवाक्यात्मकौ<br>लघूत्तरात्मकौ (भाषिककार्यम्) | $\frac{1}{2} \times 2 = 1$<br>$1 \times 2 = 2$<br>$1 \times 2 = 2$ |
| 13.                 | पद्यांशः                    | अति-लघूत्तरात्मकौ<br>पूर्णवाक्यात्मकौ<br>लघूत्तरात्मकौ (भाषिककार्यम्) | $\frac{1}{2} \times 2 = 1$<br>$1 \times 2 = 2$<br>$1 \times 2 = 2$ |
| 14.                 | नाट्यांशः                   | अति-लघूत्तरात्मकौ<br>पूर्णवाक्यात्मकौ<br>लघूत्तरात्मकौ (भाषिककार्यम्) | $\frac{1}{2} \times 2 = 1$<br>$1 \times 2 = 2$<br>$1 \times 2 = 2$ |
| 15.                 | प्रश्ननिर्माणम्             | पूर्णवाक्यात्मकाः   | $1 \times 4 = 4$   |
| 16.                 | अन्वयः अथवा भावार्थः        | पूर्णवाक्यात्मकाः   | $1 \times 4 = 4$   |
| 17.                 | घटनाक्रमानुसारं वाक्यलेखनम् | पूर्णवाक्यात्मकाः   | $\frac{1}{2} \times 8 = 4$   |
| 18.                 | प्रसङ्गानुकूलम् अर्थलेखनम्  | लघूत्तरात्मकाः  | $1 \times 3 = 3$   |
|                     |                             | <b>पूर्णभारः</b>  | <b>30 अङ्काः</b>   |

**सम्पूर्णभारः - 80 अङ्काः**

प्रश्नपत्र-प्रारूपम् /संरचना

कक्षा – दशमी (2024-25)

संस्कृतम् कोड् सङ्ख्या - 122

| प्रश्नप्रकारः              | प्रश्नानां सङ्ख्या | विभाग-सङ्ख्या | प्रतिप्रश्नम्<br>अङ्कभारः | आहत्याङ्काः |
|----------------------------|--------------------|---------------|---------------------------|-------------|
| अति-लघूत्तरात्मकाः ½ अङ्कः | 2+2+2=6            | 3             | ½                         | 3           |
| अति-लघूत्तरात्मकाः 1 अङ्कः | 2=2                | 1             | 1                         | 2           |
| बहुविकल्पात्मकाः 1 अङ्कः   | 3+4+4+3+3=17       | 5             | 1                         | 17          |
| लघूत्तरात्मकाः 1 अङ्कः     | 2+2+2+1+4+4+3+3=21 | 8             | 1                         | 21          |
| दीर्घोत्तरात्मकाः ½ अङ्कः  | 10+8=18            | 2             | ½                         | 9           |
| दीर्घोत्तरात्मकाः 1 अङ्कः  | 5+5+2+2+2+4+4=24   | 7             | 1                         | 24          |
| दीर्घोत्तरात्मकाः 2 अङ्कौ  | 2=2                | 1             | 2                         | 4           |
|                            |                    |               | आहत्याङ्काः               | 80          |

संस्कृतपाठ्यक्रमः (कोड नं. 122)

कक्षा – दशमी (2024-25)

वार्षिक मूल्याङ्कनम्

80 अंकाः

| <b>‘क’ खण्डः</b>   |                                | <b>(10 अङ्काः)</b> |
|--|--------------------------------|--------------------|
| <b>अपठितावबोधनम्</b>   |                                |                    |
| 1. एकः अपठितः गद्यांशः<br>80-100 शब्दपरिमितः गद्यांशः, सरलकथा, वर्णनं वा<br>➤ एकपदेन पूर्णवाक्येन च अवबोधनात्मकं कार्यम्<br>➤ शीर्षकलेखनम्<br>➤ अनुच्छेद – आधारितं भाषिकं कार्यम्<br>भाषिककार्याय तत्त्वानि -<br>✓ वाक्ये कर्तृ-क्रियापदचयनम्<br>✓ कर्तृ-क्रिया-अन्वितिः<br>✓ विशेषण-विशेष्यचयनम्<br>✓ पर्याय-विलोमपदचयनम् | 2+4+1<br><br><br><br><br><br>3 | 10                 |
| <b>‘ख’ खण्डः</b>   |                                | <b>(15 अङ्काः)</b> |
| <b>रचनात्मककार्यम्</b>   |                                |                    |
| 2. सङ्केताधारितम् औपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्रलेखनम्   |                                | 5                  |
| 3. चित्राधारितं वर्णनम् अथवा अनुच्छेदलेखनम्  |                                | 5                  |
| 4. हिन्दीभाषायाम् आङ्ग्लभाषायां वा लिखितानां पञ्चसरलवाक्यानां संस्कृतभाषायाम् अनुवादः  |                                | 5                  |
| <b>‘ग’ खण्डः</b>   |                                | <b>(25 अङ्काः)</b> |
| <b>अनुप्रयुक्तव्याकरणम्</b>  |                                |                    |
| 5. सन्धिकार्यम्<br>➤ व्यञ्जनसन्धिः - वर्गीयप्रथमवर्णस्य तृतीयवर्णे परिवर्तनम्, प्रथमवर्णस्य पञ्चमवर्णे परिवर्तनम्<br>➤ विसर्गसन्धिः - विसर्गस्य उत्त्वम्, रत्वम्, विसर्गलोपः, विसर्गस्य स्थाने स्, श्, ष्  | (2+2)                          | 4                  |
| 6. समासः - वाक्येषु समस्तपदानां विग्रहः विग्रहपदानां च समासः<br>➤ तत्पुरुषः - विभक्तिः<br>➤ बहुव्रीहिः<br>➤ अव्ययीभावः (अनु, उप, सह, निर्, प्रति, यथा)<br>➤ द्वन्द्वः (केवलम् इतरेतरः)   | (1+1+1=1)                      | 4                  |
| 7. प्रत्ययाः<br>➤ तद्धिताः - मतुप्, ठक्, त्व, तल्<br>➤ स्त्रीप्रत्ययौ - टाप्, डीप्   | (3+1)                          | 4                  |

|   |   |
|---|---|
| 8. वाच्यपरिवर्तनम् - केवलं लट्लकारे ( कर्तृ-कर्म-क्रिया)  | 3 |
| 9. समयः - अङ्गानां स्थाने शब्देषु समयलेखनम्<br>(सामान्य-सपाद-सार्ध-पादोन)   | 4 |
| 10. अव्ययपदानि<br>उच्चैः, च, श्वः, ह्यः, अद्य, अत्र-तत्र, यत्र-कुत्र, इदानीम्, (अधुना, सम्प्रति, साम्प्रतम्)<br>यदा, तदा, कदा, सहसा, वृथा, शनैः, अपि, कुतः, इतस्ततः, यदि-तर्हि, यावत्-तावत्               | 3 |
| 11. अशुद्धि-संशोधनम् (वचन-लिङ्ग-पुरुष-लकार-विभक्तिदृष्ट्या संशोधनम्)  | 3 |
| <b>‘घ’ खण्डः</b>  |   |
| <b>पठितावबोधनम्</b>   |   |
| <b>(30 अङ्काः)</b>  |   |
| 12. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्<br>प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि<br>भाषिककार्यम् –<br>➤ वाक्ये कर्तृ-क्रियापदचयनम्<br>➤ विशेषण-विशेष्यचयनम्<br>➤ पर्याय-विलोमपदचयनम्  | 5 |
| 13. पद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्<br>प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि<br>भाषिककार्यम् –<br>➤ वाक्ये कर्तृ-क्रियापदचयनम्<br>➤ विशेषण-विशेष्यचयनम्<br>➤ पर्याय-विलोमपदचयनम्  | 5 |
| 14. नाट्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्<br>प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि<br>भाषिककार्यम् –<br>➤ वाक्ये कर्तृ-क्रियापदचयनम्<br>➤ विशेषण-विशेष्यचयनम्<br>➤ पर्याय-विलोमपदचयनम् | 5 |
| 15. वाक्येषु रेखाङ्कितपदानि अधिकृत्य चतुर्णां प्रश्नानां निर्माणम्  | 4 |
| 16. श्लोकान्वयः/ एकस्य श्लोकस्य संस्कृतेन भावार्थलेखनम्   | 4 |
| 17. घटनाक्रमानुसारं कथालेखनम्   | 4 |
| 18. प्रसङ्गानुकूलम् अर्थलेखनम्<br>(पाठान् आधृत्य लघूत्तरात्मकाः प्रश्नाः )  | 3 |

## परीक्षायै निर्धारिताः पाठाः

| पाठसङ्ख्या    | पाठनाम                 |
|---------------|------------------------|
| प्रथमः पाठः   | शुचिपर्यावरणम्         |
| द्वितीयः पाठः | बुद्धिर्बलवती सदा      |
| चतुर्थः पाठः  | शिशुलालनम्             |
| पञ्चमः पाठः   | जननी तुल्यवत्सला       |
| षष्ठः पाठः    | सुभाषितानि             |
| सप्तमः पाठः   | सौहार्दं प्रकृतेः शोभा |
| अष्टमः पाठः   | विचित्रः साक्षी        |
| नवमः पाठः     | सूक्तयः                |
| द्वादशः पाठः  | अन्योक्तयः             |

### निर्धारित – पाठ्यपुस्तकानि –

1. “शेमुषी’ पाठ्यपुस्तकम् भाग-2” , संशोधितसंस्करणम्  
(प्रकाशनम् – रा.शै.अनु.प्र.परि. द्वारा)
2. “अभ्यासवान् भव-द्वितीयो भागः” – व्याकरणपुस्तकम्  
(प्रकाशनम् – रा.शै.अनु.प्र.परि. द्वारा)
3. “व्याकरणवीथिः”- व्याकरणपुस्तकम्  
(प्रकाशनम् – रा.शै.अनु.प्र.परि. द्वारा)

### अवधेयम् -

- \* अनुप्रयुक्तव्याकरणस्य अंशानां चयनं यथासम्भवं ‘शेमुषी-द्वितीयो भागः इति’ पाठ्यपुस्तकात् करणीयम् । यदि ततः न सम्भवति तर्हि ‘अभ्यासवान् भव- द्वितीयो भागः’ इत्यस्मात् कर्तुं शक्यम् ।

\*\*\*\*\*

**नवमी/दशमी**  
**आन्तरिक-मूल्याङ्कनम् - 20 अङ्काः**

**उद्देश्यानि**

- ❖ छात्राणां सृजनात्मकक्षमतायाः विकासः ।
- ❖ श्रवण-भाषण-पठन-लेखनकौशलानां विकासः ।
- ❖ चिन्तनक्षमतायाः आत्मविश्वासस्य च संवर्धनम् ।

| क्र. सं. | गतिविधयः                                    | उदाहरणानि   | अङ्काः | निर्देशाः  | मूल्याङ्कनबिन्दवः  |
|----------|---|---|--------|--|--|
| 1.       | आवधिक-परीक्षा:<br>(पीरियोडिक -<br>असैस्पैट) | लिखितपरीक्षा  | 05     | विद्यालयेन समये समये<br>लिखितपरीक्षाणाम्<br>आयोजनं करणीयं भवति ।   | परीक्षासु यत्र विद्यार्थिनः<br>श्रेष्ठाः अङ्काः स्युः तयोः<br>द्वयोः परीक्षयोः एव<br>अधिभारः ग्रहीतव्यः ।<br>अपि च आवधिकपरीक्षासु<br>अपि प्रश्नेषु<br>आन्तरिकविकल्पाः देयाः ।<br>मूल्याङ्कनसमये यदि छात्रः<br>सर्वान् प्रश्नान् उत्तरति तर्हि<br>छात्रहिताय यत्र अधिकाः<br>अङ्काः सन्ति तेषाम् एव<br>मूल्याङ्कनं करणीयम् । |
| 2        | बहुविधमूल्याङ्कनम्                          | <ul style="list-style-type: none"> <li>❖ कक्षायां पाठितस्य<br/>पाठस्य<br/>लघुमूल्याङ्कनम्</li> <li>❖ निर्गतपत्राणि</li> <li>❖ प्रश्नोत्तरी</li> <li>❖ मौखिकी परीक्षा</li> <li>❖ प्रतियोगिताः</li> <li>❖ प्रश्नमञ्चस्यायोजनम्</li> </ul> | 05     | कक्षायां पाठित-पाठस्य<br>विषयस्य वा बहुविधं<br>मूल्याङ्कनम् अपेक्षितम्<br>अस्ति । अनेन विद्यार्थिनां<br>विविधकौशलानां मूल्याङ्कनं<br>भवेत् ।   | <ul style="list-style-type: none"> <li>❖ मौलिकता</li> <li>❖ विषयसम्बद्धता</li> <li>❖ शुद्धता</li> <li>❖ समयबद्धता</li> <li>❖ प्रस्तुतीकरणम्</li> </ul>   |
| 3.       | निवेशसूचिका<br>(पोर्टफोलियो)                | <ul style="list-style-type: none"> <li>❖ कक्षाकार्यम्</li> <li>❖ सामूहिक-मूल्याङ्कनम्</li> <li>❖ स्वमूल्याङ्कनम्</li> <li>❖ विद्यार्थिनः विषयगताः<br/>उपलब्धयः</li> </ul>   | 05     | विद्यार्थिभिः कक्षायां कृतानां<br>कार्याणाम् उपलब्धीनां च<br>संरक्षणं संयोजनं च<br>सञ्चिकायां पत्रावल्यां वा<br>करणीयम् । एतेन समग्रं<br>मूल्याङ्कनं प्रमाणिकत्वेन<br>भवितुं शक्नोति । | <ul style="list-style-type: none"> <li>❖ सुलेखः</li> <li>❖ तथ्यात्मकता</li> <li>❖ प्रामाणिकता</li> <li>❖ समयबद्धता</li> </ul>  |

|   |   |  |    |  |  |
|---|---|--|----|--|--|
| 4.  | भाषा-संवर्धनाय<br>गतिविधयः<br>(क) श्रवण-<br>भाषण-कौशलम् | <ul style="list-style-type: none"> <li>❖ कथा</li> <li>❖ संवादः/ वार्तालापः</li> <li>❖ भाषणम्</li> <li>❖ नाटकम्</li> <li>❖ वार्ताः</li> <li>❖ आशुभाषणम्</li> <li>❖ संस्कृतगीतानि</li> <li>❖ श्लोकोच्चारणम्</li> <li>❖ प्रहेलिकाः</li> </ul>   | 05 | <ul style="list-style-type: none"> <li>❖ छात्राः कामपि कथां श्रावयितुं शक्नुवन्ति ।</li> <li>❖ शिक्षकः कमपि विषयं सूचयित्वा परस्परं संवादं कारयितुं शक्नोति ।</li> <li>❖ दूरदर्शने वार्तावली इत्याख्यः संस्कृत-कार्यक्रमः प्रसारितः भवति तं द्रष्टुं छात्राः प्रेरणीयाः ।</li> <li>❖ श्रवण-कौशल-मूल्याङ्कनाय शिक्षकः स्वयम् अपि कथां श्रावयित्वा ततः सम्बद्ध-प्रश्नान् प्रष्टुं शक्नोति ।</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>❖ उच्चारणम्</li> <li>❖ शुद्धता</li> <li>❖ समयबद्धता</li> <li>❖ प्रस्तुतीकरणम् (आरोहावरोह-गतियति-प्रयोगः)</li> </ul>                           |
|   | (ख)<br>लेखनकौशलम्                                       | <ul style="list-style-type: none"> <li>❖ विविधविषयान् आधृत्य मौलिकलेखनम् यथा- देशः, माता, पिता, गुरुः, विद्या पर्यावरणम्, योगः, समयस्य सदुपयोगः, शिक्षा, अनुशासनम् इत्यादयः ।</li> <li>❖ शैक्षिकभ्रमणस्य संस्कृतेन प्रतिवेदनलेखनम् ।</li> <li>❖ दैनन्दिनीलेखनम् ।</li> <li>❖ सङ्केताधारितं कथालेखनम् ।</li> <li>❖ भित्तिपत्रिकायाः निर्माणम् ।</li> <li>❖ श्रुतलेखः ।</li> <li>❖ सूक्तिलेखनम् ।</li> </ul> |    | <ul style="list-style-type: none"> <li>❖ छात्राः यथाशक्यं कक्षायामेव लेखनकार्यं कुर्युः ।</li> <li>❖ टिप्पणी- पुस्तिकायाः निर्माणम् ।</li> <li>❖ वैयक्तिकपरीक्षणम् ।</li> </ul>  | <ul style="list-style-type: none"> <li>❖ विषय-सम्बद्धता</li> <li>❖ शुद्धता (विशेषतः पञ्चमवर्णस्यप्रयोगः)</li> <li>❖ समयबद्धता</li> <li>❖ सुलेखः</li> <li>❖ प्रस्तुतीकरणम्</li> </ul> |
| <p><b>अवधातव्यम्</b> –उपर्युक्त-गतिविधयः उदाहरणरूपेण प्रदत्ताः सन्ति । एतदतिरिच्य एतादृशाः अन्यगतिविधयः अपि भवितुमर्हन्ति ।</p> |   |  |    |  |  |

\*\*\*\*\*